

प्रतीक्षा जो कभी नहीं चुकती

BladeFrega की पहली आज्ञा

सृजन के लिए अनुमति मत माँगो।

अधिकतर लोग अनंतता को एक दूर की मंज़िल समझते हैं — संतों, दार्शनिकों, स्वप्रदर्शियों और उन अधिकारियों के लिए सुरक्षित रखा गया पुरस्कार, जो नाशते से पहले ही 'विरासत' शब्द का प्रयोग कर लेते हैं। कभी मैंने भी उसे ऐसे ही समझा था। फिर एक साधारण दोपहर ने सिद्धांत में बाधा डाल दी। वहाँ एक छोटी-सी वस्तु थी, एक जानी-पहचानी दिनचर्या थी, और अनुचित रूप से लंबी प्रतीक्षा थी। वस्तु महत्वपूर्ण नहीं थी। प्रतीक्षा थी।

मनुष्य अपने जीवन का चौंका देने वाला हिस्सा प्रतीक्षा में बिताते हैं — स्वीकृति की, आत्मविश्वास की, पहचान की, अवसर की, आदर्श परिस्थितियों की, और उस हरी झंडी की जिसे कई विभाग मिलकर टालते रहते हैं। कुछ लोग इतनी देर प्रतीक्षा करते हैं कि प्रतीक्षा ही उनका पेशा बन जाती है। त्रासदी यह नहीं कि वे प्रतीक्षा करते हैं। त्रासदी यह है कि वे उसे तैयारी कहते हैं। मैंने ऐसे संगठनों के भीतर काम किया है जो इतने बड़े थे कि स्वयं को अमर मान बैठे। उन्होंने अनिश्चितता को बैठकों में बदला, बैठकों को रिपोर्टों में, रिपोर्टों को योजनाओं में, और योजनाओं को और बैठकों में। हर प्रस्तुति में स्थायित्व का वादा किया जाता था। फिर लोगो बदल गया। समय एक कठोर संपादक है। मैंने योजनाओं की पूजा छोड़ दी और गति में रुचि लेने लगा। गति निशान छोड़ती है। प्रतीक्षा इरादे छोड़ती है। सबसे यादगार सर्जक आत्मविश्वास के आने से पहले शुरू कर देते हैं। उनकी बढ़त गति है।

निष्कर्ष

अनंतता तब शुरू नहीं होती जब समय अनंत हो जाता है। वह तब शुरू होती है जब कोई निर्णय, कोई पृष्ठ या कोई कृति समाप्त होने से इनकार कर देती है।

Ferdinando

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com